विहार विधान-सभा वादवृत्त ।

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर ।)

शुक्रवार, तिथि 14 जुलाई 1978 ।

विषय-सूची ।

पृष्ठ ।

प्रश्नों के लिखित उत्तर—विहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम 4 (ii) के परन्तुक के अन्तर्गत सभा-मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा-मेज पर रखा जाना—

प्रश्नों के मौखिक उत्तर—

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 246, 254, 256, 268, 1203, 1205, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1221, 1222, 1225, 1226, 1228, 1229, 1230, 1231, 1233, 1235, 1236, 1238, 1241, 1242, 1244, 1245, 1247, 1249, 1255, 1258, 1259, 1263, 1264, 1266, 1271, 1274, 1278, 1279, 1280, 1288, 1293 एवं 1295 । 1—56

प्रश्नों के लिखित उत्तर—

परिशिष्ट 1 .. .. .. 57—62

परिशिष्ट 2 .. .. .. 63—206

दैनिक निबन्ध 207-208

टिप्पणी—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपने भाषण संशोधित नहीं किए

श्री कैलाशपति मिश्र—ओभरड्राफ्ट की सूचना स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से नहीं, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त होती है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 1976-77 का अंत 116.14 करोड़ के ओभरड्राफ्ट से हुआ था। महालेखाकार से प्राप्त 1976-77 के लेखा में 62-36 करोड़ का घाटा दिखलाया गया है। प्रक्रिया के अनुसार महालेखाकार अपने लेखा का मिलान रिजर्व बैंक के लेखा से कर रहे हैं।

औद्योगिक प्रतिष्ठान खोलने का विचार।

1244. श्री रघुपति गोप—क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला में अब तक एक भी औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं है, यदि हां, तो सरकार वहां कब तक कौन-सा उद्योग खड़ा करना चाहती है?

श्री ठाकुर प्रसाद—अभी भोजपुर जिले में तीन स्थानों पर बक्सर, विहिया, तथा डुमरांव में औद्योगिक प्रांगण की स्थापना की जा रही है।

बक्सर औद्योगिक प्रांगण में 20 छावनियों का निर्माण भी किया जा चुका है तथा उसका आवंटन भी उद्यमियों को कर दिया गया है। विहिया तथा डुमरांव औद्योगिक प्रांगण में भूमि विकसित कर उद्यमियों को आवंटित किया जायगा। भूमि विकास का कार्य बैंक से ऋण प्राप्त कर किया जाना है। बैंक से अभी ऋण प्राप्त नहीं हो सका है। ऋण राशि प्राप्त होते ही भूमि विकास का कार्य प्रारंभ कर दिया जायगा।

मिल चालू करने के संबंध में।

1245. श्री रामदयालु सिंह—क्या मंत्री, सहकारिता विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत उदयबन्त नगर जगदीशपुर डमरांव नावानगर व्यापार मंडलों के जरिए क्रमशः आरा, जगदीशपुर, डुमरांव एवं नावानगर में चावल की मिलें स्थापित की गयी हैं जो पिछले चार वर्षों से बन्द पड़ी हैं;